नई दिल्ली > शुक्रवार, 26 जनवरी 2018 > माघ 6 शक 1939 माघ शुक्ला नवमी विक्रम 2074

एनबीटी ने तैयार किया सबसे अच्छा पैनल, हर गाइडेंस मिलेगी यहां

वनिता सहगल
प्रिंसिपल
डीपीएस, आरके पुरम

अमिता वट्टल
प्रिंसिपल,
स्प्रिंगडेल्स
स्कूल पूसा रोड

प्रियंका गुलाटी
प्रिंसिपल एवरग्रीन
सी.से स्कूल,
वसुंधरा एनक्लेव

रोमा पाठक
प्रिंसिपल, एमएम
पब्लिक स्कूल,
पीतमपुरा

ज्योति अरोड़ा
प्रिंसिपल, माउंट
आबू पब्लिक
स्कूल, रोहिणी

डॉ. अरुणा ब्रूटा
साइकॉलजिस्ट
और काउंसलर

सीबीएसई 12वीं के स्टूडेंट्स सवालों के वेटेज पर करें फोकस

कॉन्सेप्ट का खेल है अकाउंटेंसी

■ प्रमुख संवाददाता, नई दिल्ली

सीबीएसई 12वीं के बोर्ड एग्जाम की लिस्ट में अकाउंटेंसी ऐसा सब्जेक्ट है, जिसकी तैयारी के लिए हजारों स्टूडेंट्स परेशान हैं। अकाउंटेंसी के टीचर्स का कहना है कि अभी स्टूडेंट्स के पास करीब 50 दिन हैं और वे सिस्टम से पढ़ाई करें, तो अभी देर नहीं हुई है।

अकाउंटेंसी का पेपर 15 मार्च को है। टीचर्स का कहना है कि बोर्ड के स्टूडेंट्स अभी घर में है और इस सब्जेक्ट की अच्छी तैयारी के लिए अभी उनके पास काफी वक्त है। मयूर विहार के एवरग्रीन पब्लिक सीनियर सेकंडरी स्कूल की पीजीटी टीचर चित्रा राजगोपालन कहती हैं, जिन स्टूडेंट्स ने अच्छी तैयारी कर ली है, जिन्होंने आधी-अधूरी तैयारी की और जिनकी तैयारी बहुत कम है, सभी के पहला फंडा है कि वे अपना माइंड शांत करें। ऐटिट्यूड शांत करो, जल्दबाजी, अफरातफरी में रहें। अकाउंटेंसी में मैंने अक्सर देखा है कि बच्चे सवाल जल्दबाजी या घबराहट में पढ़ते हैं, जिस वजह से वे उसे आधा ही समझ पाते हैं। सबसे पहले अच्छी तरह से सवाल पढ़ें।

टाइमटेबल और गैप के लिए बनाएं प्लान

टीचर्स का कहना है कि अकाउंटेंसी में सभी टॉपिक का वेटेज देखें। जिसका वेटेज ज्यादा है, उस पर सबसे पहले फोकस करें। वेटेज के हिसाब से ही टाइमटेबल फिक्स करें। जिन चैप्टर्स में परेशानी है, उन्हें टीचर से पूछें। चित्रा कहती हैं, सेल्फ स्टडी पर पूरा जोर दें। कॉन्फिडेंस बनाएं और कॉन्सेप्ट को समझें। कॉन्सेप्ट पर जरूर ध्यान दें, क्योंकि अकाउंटेंसी में सबसे बड़ी गलतियां इसी में होती हैं। अकाउंटेंसी के टॉपिक कॉन्सेप्ट पर आधारित हैं, आप समझकर पढ़ेंगे और जितनी प्रैक्टिस करेंगे, उतना कॉन्फिडेंस आएगा।

जरूरी टिप्स

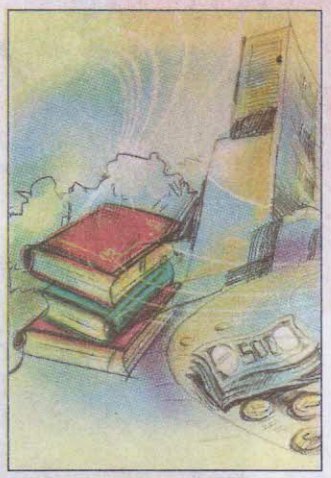

- पेपर गैप में इस तरह से प्लान बनाएं कि सभी जरूरी चैप्टर्स का रिविजन हो जाए
- कोई टॉपिक समझ में नहीं आ रहा है, तो कॉन्सेप्ट पर फोकस करें
- पेपर बहुत ध्यान से और कूल माइंड से पढ़ें
- 10 साल के सैंपल पेपर्स जरूर करें
- जिन टॉपिक्स का वेटेज ज्यादा, उन्हें पहले पढ़ लें

तैयारी एग्जाम की

सैंपल पेपर्स जरूरी पढ़ें

टीचर्स की स्टूडेंट्स को सलाह है कि अगर वे 10 साल के सैंपल कर लेंगे, तो अच्छी प्रैक्टिस तो होगी ही साथ ही स्कोर भी बढ़िया रहेगा। चित्रा कहती हैं, सैंपल पेपर्स से बोर्ड पेपर का ट्रेंड पता चल जाता है। जो टॉपिक्स लगातार पूछे जाते हैं और यहां तक कि जो सवाल कई बार पूछे जाते हैं, उनके बारे में स्टूडेंट्स को पता चलेगा।

इन्हें ना करें मिस

सभी टॉपिक के की-एरिया जानें। अकाउंटेंसी के तीन किताबों से 30 से 35 नंबर के सवाल पूछे जाते हैं। चित्रा कहती है, एक टॉपिक है 'डिजॉल्यूशन ऑफ पार्टनरशिप', इससे 10 नंबर के सवाल पूछे जाते हैं। वैसे, अक्सर 6, 3 और 1 नंबर के सवाल होते हैं। टीचर्स का कहना है पार्टनरशिप एंड पार्टनरशिप डीड्स, प्रॉफिट एंड लॉस एप्रोप्रिएशन, मेंटेनेंस ऑफ कैपिटल अकाउंट्स ऑफ पार्टनर चैप्टर्स से भी कई सवाल पूछे जाते हैं। चित्रा कहती हैं, स्टूडेंट्स को टॉपिक्स का वेटेज पता होता है, जिसका जितना वेटेज है, उसे फोकस करें।

'रिविजन पर फोकस करें, रोज हर सब्जेक्ट पढ़ें'

Q मैं 10वीं की स्टूडेंट हूं। बोर्ड की तैयारी के लिए रोज कितनी पढ़ाई करूं? - शिप्रा

आप घंटों के हिसाब से ना पढ़ें, अपनी जरूरत के हिसाब से पढ़ाई करें। दिमाग को आराम देना जरूरी है। रोज हर सब्जेक्ट को क्वॉलिटी टाइम दें। जितना पढ़ें, ध्यान लगाकर पढ़ें। साथ ही, एक टाइमटेबल बनाएं, उसे रोज फॉलो करें। लगातार ना पढ़ें और नींद और डाइट का पूरा ध्यान दें।

Q मुझे साइंस और इंग्लिश के कुछ चैप्टर्स में दिक्कत हैं। मैं कैसे तैयारी करूं? - अंकित शर्मा, क्लास 10

जिन टॉपिक में मुश्किल आ रही है, उनमें बिना टाइम बर्बाद किए टीचर की मदद लें। साथ ही, जो टॉपिक्स आसान लगते हैं, उन्हें सबसे पहले पढ़ लें और रिवाइज कर लें। इससे आपका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा।

बोर्ड एक्सपर्ट
रोमा पाठक,
प्रिंसिपल, एम एम
पब्लिक स्कूल,
पीतमपुरा

Q कॉन्फिडेंस कम हो रहा है। क्या करूं? -प्रियांशी

आप रोज टीचर्स की मदद लें। मैथ्स को ज्यादा वक्त दें। साथ ही, परेशान बिल्कुल ना हों, आपके पास तैयारी के लिए पूरा वक्त है। परेशानी आपकी बाकी परफॉर्मेंस भी डाउन कर सकती है।

Q 10वीं की बोर्ड की स्टूडेंट हूं। एग्जाम टाइम के लिए नोट्स कैसे बनाऊं? - मयंक दत्ता

पॉइंट्स में नोट्स बनाएं। कॉन्सेप्ट नोट्स को हाईलाइट करें। एग्जाम के वक्त ये पॉइंट नोट्स बहुत काम आएंगे। फ्लोचार्ट की मदद भी लें।

Q मैं हर सब्जेक्ट को कितना कितना टाइम दूं? -आंचल

जिस सब्जेक्ट में आप कमजोर हैं, उसे ज्यादा वक्त दें। बहुत ज्यादा पढ़ाई ना करें, इससे माइंड पर ओवर प्रेशर होगा। इस वक्त रिविजन